सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 297 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 5 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

दुनिया में किसी भी व्यक्ति को भ्रम में नहीं रहना चाहिए। बिना गुरु के कोई भी दूसरे किनारे तक नहीं जा सकता है।
-श्री गुरु नानक देव

सीरीज पर कजा करने के इरादे से... 7 | पंजाब में 27 में विधानसभा चुनाव... 3 | मासूमों की जान के साथ खेल... 2

पुतिन का भारत दौरा बना मन की बात का कार्यक्रम!

विपक्षी नेताओं से पुतिन को क्यों नहीं मिलने दे रही सरकार

» कांग्रेस का बड़ा आरोप असुरक्षा और आलोचना से बचना चाहती है सरकार

» सभी सरकारों में विदेशी नेताओं से मिलता था विपक्ष

» पुतिन का दौरा भारत के लिए है या भाजपा के राजनीतिक विमर्श के लिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे का आज दूसरा दिन है। उनके स्वागत की तस्वीरे चमक रही है और कार डिप्लोमेसी के दृश्य सुर्खियां बन चुके हैं। लेकिन इस चमक धमक के बीच व्लादिमीर पुतिन का किसी विपक्षी नेता के साथ मीटिंग, मुलाकात की किसी तस्वीर का बाहर न आना अपने आप में कई सवालों को जन्म दे रहा है।

कांग्रेस और विपक्षी नेताओं के मुताबिक यह विदेशी नेता का यह सरकारी दौरा तो हो सकता है लेकिन लोकतांत्रिक दौरा नहीं। अभी तक जब भी किसी विदेशी मेहमान ने भारत में कदम रखा है तो उसकी मुलाकात विपक्ष नेताओं से होती आ रही है। चाहे अटल बिहारी वाजपेई की सरकार हो या फिर मनमोहन सिंह की सरकार। लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि इस पूरे दौरे से विपक्ष को दूर रखा गया हो और यह पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम हो।

लिखित प्रोटोकाल में हिस्सा नहीं विपक्ष

इस मुददे पर सरकार का तर्क है कि कोई लिखित प्रोटोकाल नहीं है कि विदेशी अतिथि को विपक्षी नेताओं से मिलना ही होगा। यह सरकार और अतिथि के पारस्परिक निर्णय पर निर्भर करता है। बात कागज पर सही दिखती है लेकिन वास्तविक प्रश्न औपचारिकताओं का नहीं इरादे का है। क्या यह निर्धारण का विवेक है या राजनीतिक संतुलन हटाकर कूटनीति को पूरी तरह केंद्रीय नियंत्रण में रखने की रणनीति? यहीं से विवाद और गहरा हो जाता है। यह वही दौर है जब कूटनीति की हर तस्वीर हर मुलाकात हर हस्ताक्षर को सरकार राजनीतिक उपलब्धि के रूप में भुनाती है और विपक्ष उस पर सवाल उठाता है कि जनता के नाम पर होने वाले निर्णयों से जनता के प्रतिनिधियों को दूर क्यों रखा जा रहा है। इसलिए चर्चाओं के बीच असली सवाल उठ खड़ा हुआ है कि क्या पुतिन का दौरा भारत के लिए है या भाजपा नेतृत्व वाले राजनीतिक विमर्श के लिए?

जरूरी है लोकतांत्रिक संतुलन

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने सवाल दागा है कि क्या भारत में अब विदेशी अतिथि सिर्फ सरकार के मेहमान माने जाएंगे या लोकतंत्र के भी? कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा है कि अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह के समय विदेशी राष्ट्राध्यक्ष विपक्षी नेताओं से भी मिलते थे। ऐसा सिर्फ औपचारिकता के तौर पर नहीं बल्कि लोकतांत्रिक संतुलन को दर्शाने के लिए किया जाता था। यानी प्रोटोकाल में ताकत की नहीं परंपरा की भाषा होती थी। लेकिन इस बार तस्वीर बदली हुई है और कांग्रेस के अनुसार इसकी वजह है सरकार की असुरक्षा और आलोचना से बचने की प्रवृत्ति। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणूगोपाल ने कहा है कि विदेशी नेता भारत से मिलते हैं तो उनका मतलब सिर्फ सत्ताधारी दल से नहीं होता बल्कि संपूर्ण राजनीतिक नेतृत्व से होता है। विपक्ष की गैर मौजूदगी उस लोकतंत्र की छवि को कमजोर करती है जिसका गुणगान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सरकार खुद करती है।

क्या लेकर लौटेंगे पुतिन

अब सवाल सिर्फ इस बात का नहीं रह गया कि पुतिन किससे मिलते हैं और किससे नहीं। बड़ा सवाल यह है कि वे किस सौदे के साथ लौटेंगे और भारत किस जोखिम के साथ आगे बढ़ेगा। रूस भारत रिश्तों के इतिहास में यह सबसे नाजुक समय है। यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया दो खेमों में बंट चुकी है। अमेरिका और पश्चिमी देशों का गठबंधन एक तरफ रूस चीन ब्लॉक दूसरी तरफ और इन दोनों के बीच भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का झंडा उठाए अकेला खड़ा है। यही अकेलापन ताकत भी है और दबाव भी।

रूस के साथ परमाणु ऊर्जा, रक्षा निर्माण, तेल आयात और व्यापारिक सहयोग पर बातचीत तय है। लेकिन इसे लेकर भी दो धाराएं साफ हैं एक जो इसे भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता का प्रदर्शन मानती है दूसरी जो कहती है कि यह अमेरिका को चिढ़ाने की कीमत पर किया जा रहा है। क्योंकि हकीकत यह भी है कि पुतिन जैसे ही दिल्ली में उतरे वाशिंगटन से बयान आया कि देशों को ध्यान रखना चाहिए कि रूस के साथ रक्षा संबंधों का विस्तार वैश्विक सुरक्षा स्थिति को जटिल कर सकता है।

सिर्फ सरकार से क्यों मिलना?

संसद के भीतर और बाहर अब बहस दो मोर्चों पर चल रही है। एक रूस के साथ ऐतिहासिक मित्रता और रणनीतिक सौदों का महत्व। और दूसरा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विपक्ष की भूमिका को कम करने की प्रवृत्ति। दोनों अलग अलग नहीं हैं क्योंकि अंतरराष्ट्रीय गठबंधन अंदरूनी राजनीतिक फायदों से मुक्त नहीं होते। जब विदेशी नेता सिर्फ सरकार से मिलते हैं तो उपलब्धियां भी सिर्फ सरकार की उपलब्धियां दिखाई देती हैं। विपक्ष का आरोप है कि इसी आप्टिक्स को सुरक्षित रखने के लिए उन्हें दरकिनार किया जा रहा है। इसीलिए राहुल गांधी का सवाल अब महज शिष्टाचार का नहीं रहा यह संकेत बन गया है कि कूटनीति में भी सरकार-विपक्ष के बीच दूरी को संस्थागत रूप देने की कोशिश हो रही है। और अगर यह नई परंपरा बनती गई तो लोकतंत्र के लिए समस्या सिर्फ विपक्ष के न मिलने की नहीं होगी बल्कि उस राष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया की होगी जो सहमति और संतुलन से चलने के बजाय केंद्रीय अधिकार और एकतरफा निर्णय के रास्ते पर जाती दिखाई देगी। यह विवाद वहीं से शुरू हुआ है और शायद यहीं खत्म नहीं होगा।

मासूमों की जान के साथ खेल रही सरकार: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले-प्रदेश में एक जिला...एक माफिया का राज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ में कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी के मामले में सियासी तूफान में उफान तेज हो गया है। सपा ने यूपी भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि नशीले सिरप का सिंडिकेट न सिर्फ उत्तर प्रदेश, बल्कि बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड, पश्चिम बंगाल से होता हुआ नेपाल, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका तक अपना नेटवर्क चला रहा था। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित सिरप की वजह से कई मासूमों की जानें गईं, लेकिन शासन-प्रशासन में बैठे प्रभावशाली लोगों की भूमिकाओं की अनदेखी होती रही।

उन्होंने वाराणसी सेंट्रल बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजा आनंद ज्योति सिंह की मौत का जिक्र करते हुए कहा कि एक वर्ष पूर्व जहरीला सिरप पीने से उनकी मौत हुई, लेकिन उनकी पत्नी द्वारा की गई शिकायत पर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। अखिलेश ने आरोप लगाया कि पूर्वांचल के वाराणसी, जौनपुर, चंदौली, भदोही, गाजीपुर और आजमगढ़ में यह धंधा बड़ों की शह पर चलता रहा।

अवैध धंधे में मुख्यमंत्री के करीबी और कई अधिकारी शामिल

अखिलेश ने दावा किया कि इस अवैध धंधे में मुख्यमंत्री के करीबियों और कई अधिकारियों के नाम भी चर्चा में हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में एक जिला, एक माफिया का काला कारोबार खुलकर फल-फूल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में ही इस मामले में 38 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और स्थानीय माफियाओं के नाम सामने आए हैं।

देश के दूसरे नंबर के कद्दावर नेता की नजर

कोडीन सिरप मामले में ईडी की एंट्री पर अखिलेश ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि देश के दूसरे नंबर के कद्दावर नेता इस प्रकरण पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि वाराणसी के पड़ोसी जिले के एक बाहुबली को यह नेता पसंद नहीं करते, इसलिए जैसे ही उसके रिश्तेदारों का नाम आया। केंद्र से दबाव बढ़ गया। आरोप है कि कोडीन सिंडिकेट का सरगना शुभम बाहुबली के रिश्तेदारों के साथ साझेदारी में था और उसने लगभग 84 करोड़ रुपये निवेश किए तथा महंगी गाड़ियां गिफ्ट कीं। अखिलेश ने यह भी दावा किया कि एक और बाहुबली का शागिर्द भी इस धंधे में करोड़ों लेकर बैठा है और उसे सुरक्षा देने के नाम पर सत्ताधारी नेताओं को महंगे उपहार व मोटी रकम दी जाती थी।

सपा से निष्कासित विधायक पूजा ने छुए डिप्टी सीएम केशव के पैर

समाजवादी पार्टी से निष्कासित कौशाम्बी के चायल से विधायक पूजा पाल बृहस्पतिवार को फिर सुर्खियों में आ गईं। सर्किट हाउस में उन्होंने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पैर छुए। केशव प्रसाद ने भी हाथ उठाकर उन्हें आशीर्वाद दिया। पूजा पाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद को अपना अभिभावक बताया। कहा कि पति राजू पाल की हत्या के मामले में योगी सरकार से मुझे न्याय मिला। इसी वजह से मैंने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग की। फूलपुर विधानसभा उपचुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव में भी भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया था। भाजपा कब ज्वॉइन करेंगी, क्या भाजपा के टिकट पर शहर पश्चिम या चायल से चुनाव लड़ने का इरादा है। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे जो आदेश मिलता है, उसके अनुसार कार्य करती हूं। निर्णय भाजपा का शीर्ष नेतृत्व ही लेगा।

डिटेंशन सेंटर भाजपा का चुनावी एजेंडा: अजय राय

» सीएम योगी पर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष

» बोले- 2017 से क्या कर रहे थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने यूपी में डिटेंशन सेंटर बनाए जाने पर योगी सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने इसे चुनाव एजेंडा बताया और कहा कि इतने सालों से ये सरकार क्या कर रही थी। यूपी के सभी मंडलों में डिटेंशन सेंटर बनाए जाने के सवाल पर अजय राय ने कहा कि यूपी सरकार 2017 से है इतने दिनों से क्या कर रही थी?

ये सीएम योगी का केवल और केवल चुनावी प्रोपेगेंडा है। ये इसे आगे और बढ़ा रहे हैं, आम लोगों की जरूरतों पर कोई जवाब नहीं आ रहा है। यूपी प्रदेश अध्यक्ष मुरादाबाद में आत्महत्या करने वाले बीएलओ सर्वेश सिंह और बीमार बीएलओ आभा सोलोमन के परिजनों से मिलने के लिए पहुंचे थे, इस दौरान उन्होंने बीमार बीएलओ आभा सोलोमन के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि एसआईआर को लेकर बीएलओ पर अत्यधिक दबाव बनाया जा रहा है इन्हें पूरी तरफ से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने कहा आरोप लगाया कि जहरीला सिरप पिला कर लोगों की हत्याएं की गई हैं। इसकी जिम्मेदारी पूरी यूपी सरकार की है। ये सरकार कफ सिरप के माफियाओं को संरक्षण दे रही है। इस पर सरकार को तत्काल जवाब देना चाहिए।

बीएलओ पर दबाव न बनाया जाए

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार और चुनाव आयोग से मेरी मांग है कि बीएलओ का पूरा ध्यान रखा जाए। इन्हें उचित सुविधाएं दी जाए और इनके ऊपर किसी प्रकार का दबाव न बनाया जाए।

सरकार में पूरा माफिया तंत्र हावी

कांग्रेस नेता ने कफ सिरप मामले को लेकर भी सरकार को आड़े हाथों लिया, उन्होंने कहा कि सरकार में पूरा माफिया तंत्र हावी है। योगी जी की पूरी कैबिनेट हावी है। एसटीएफ के लोग गिरफ्तार हो रहे है और बनारस जहां से वो आते है प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र है एक तरफ मोदी जी धर्म ध्वजा लहरा रहे है और दूसरी तरफ धार्मिक शहर को बर्बाद कर रहे है।

नेता प्रतिपक्ष होने के नाते पुतिन से राहुल गांधी को मिलने के अधिकार

पुतिन की भारत यात्रा पर अजय राय ने कहा कि हम उनका स्वागत करते है बाहर का कोई भी व्यक्ति हिंदुस्तान में आता तो उसका हम अभिनंदन करते हैं। नेता प्रतिपक्ष होने के नाते हम राहुल गांधी को भी रूस के राष्ट्रपति पुतिन से मिलवाने की वो मांग करते है, विपक्ष के लोगों को भी मिलवाना चाहिए।

राजनीति मेरे लिए नहीं: अवध ओझा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी पहुंचे अवध ओझा ने आम आदमी पार्टी में उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर साफ किया कि राजनीति मेरे लिए नहीं है। हमारा पूरा जीवन शिक्षा और युवाओं को दिशा देने के लिए समर्पित है।

युवाओं के लिए संदेश पूछे जाने पर उन्होंने भगवान राम के चरित्र का उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान ने श्रीराम के रूप में अवतार लिया। लेकिन, 14 साल जंगलों में संघर्ष करते हुए बिताए। जब भगवान को भी परीक्षा और त्याग करना पड़ा, तो मनुष्यों की क्या विसात है। युवाओं को

श्रीराम के जीवन को आदर्श बनाना चाहिए, इससे बढ़कर कोई संदेश नहीं है। हाल ही में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर उन्होंने कहा कि अभियान अच्छा है। लेकिन, जल्दबाजी में घुसपैठियों को हटाने के चक्कर में कहीं असली लोग ही सूची से बाहर न हो जाएं। यह काम सटीकता और बेहद सावधानी से होना चाहिए।

यूपी में अकेले चुनाव लड़ेगी ओवैसी की पार्टी

एआईएमआईएम नेता शादाब का दावा, सपा के पीडीए को लगेगा झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार चुनाव में मिली जीत के बाद अब असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उत्तर प्रदेश में होने वाले 2027 के विधान सभा चुनावों को लेकर बड़े स्तर पर अपनी तैयारी शुरू कर दी है। एआईएमआईएम के प्रवक्ता शादाब चौहान ने दावा किया कि बिहार की तरह यूपी में भी उनकी पार्टी समाजवादी पार्टी को घर बिठाने का काम करेगी।

यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर ओवैसी की पार्टी पूरे दम के साथ काम में जुट गई हैं। इसी क्र म में मुरादाबाद मे एआईएमआईएम ने यूथ कार्यकर्ता सम्मेलन किया, जिसमें पार्टी के प्रवक्ता शादाब चौहान ने समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधते हुए बीजेपी के साथ सांठ गांठ का आरोप लगाया। उन्होंने सवाल किया कि अखिलेश यादव की भाभी अपर्णा यादव को भाजपा में किसने भेजा? । पूर्व मंत्री और सपा विधायक कमाल अख्तर

को घेरते हुए शादाब चौहान ने कहा कि वो भाजपा के साथ गठबंधन कर अपना होटल कारोबार चलाते हैं और हमें कहते हैं कि हमारी पार्टी के टिकट भाजपा तय करती है. भाजपा से पार्टनरशिप करने वाले क्या अब हमें बताएंगे? जैसे बिहार की जनता ने हमें कट्टरपंथी कह कर बकवास करने वाले को घर बैठा दिया है ऐसे ही अब यूपी में सपा वालों को जनता घर बैठाने का काम करेग। उत्तर प्रदेश में निषाद समाज और राजभर समाज संख्या मुस्लिमों के मुकाबले काफी कम होने के बावजूद वो लगातार सत्ता की मलाई खा रहे हैं जबकि 20 प्रतिशत मुसलमान होने के बावजूद आज भी हमें जगह-जगह पीटा जा रहा है, प्रताड़ित किया जा रहा है।

मुस्लिम को सीएम बनाने का ऐलान करें अखिलेश

अखिलेश यादव मुसलमानों के नेता होने का दावा करते हैं और मुस्लिम वोटों की बदौलत उनकी पार्टी आज देश में तीसरे नंबर पर है. अगर अखिलेश यादव किसी मुसलमान को यूपी का मुख्यमंत्री बनाने का ऐलान करते हैं तो एआईएमआईएम उनके साथ खड़ी होगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

130वें संविधान संशोधन बिल पर सहमति बनाने की होगी कोशिश

» सपा, टीएमसी और कांग्रेस से भी राय लेगी संयुक्त समिति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 130वें संविधान संशोधन बिल को लेकर संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक हुई। इस बिल में प्रावधान है कि 30 दिनों तक लगातार जेल में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों के लिए पद छोड़ना अनिवार्य होगा। बिल को इस साल 21 अगस्त को मानसून सत्र के दौरान लोकसभा में पेश कर विस्तृत समीक्षा के लिए संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने का फैसला किया गया था।

हालांकि इस बिल की समीक्षा के लिए बनी संसद की संयुक्त समिति के गठन में काफी समय लग गया क्योंकि कांग्रेस,

तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जैसे दलों ने इसका बहिष्कार किया था और अपने सदस्यों को इसमें नामित करने से इनकार कर दिया था। काफी इंतजार के बाद आखिरकार पिछले महीने संयुक्त समिति का गठन हो सका, जिसका अध्यक्ष भुवनेश्वर से भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी को बनाया गया है। समिति की पहली बैठक में तय किया गया कि बिल पर अलग अलग क्षेत्रों से ताल्लुक रखने वाले विशेषज्ञों की राय ली जाएगी, जिससे बिल की व्यापक समीक्षा हो सके। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने अहम फैसला किया है. इसके तहत पहली बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला किया गया कि समिति उन दलों को भी अपनी राय देने के लिए बुलाएगी जिन्होंने इसका विरोध किया और अपने सदस्य समिति में शामिल होने के लिए नहीं भेजे. इनमें कांग्रेस, सपा, टीएमसी, डीएमके और आरजेडी जैसी पार्टियां शामिल हैं।

महायुति में कुछ तो गड़बड़ है

एकनाथ शिंदे की बातों को किया अनसुना

» भाजपा व शिवसेना में सतह पर अनबन

» निकाय चुनाव दे गया तनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। लगता है बहुमत से सरकार चला रही भाजपा महाराष्ट्र में शिवसेना को नजरअंदाज करने लगी है। तभी तो महायुति अनबन की खबरें समय-समय परआने लगती हैं। सत्ता के अंदर खाने से खबर आ रही है कि महायुति क बीच खाई गहरी हो रही? बीजेपी ने एकनाथ शिंदे की बात को नही माना है। निकाय चुनाव ने महायुति के बीच की दरार को परत दर परत खोल दिया है।

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की चेतावनी के बाद भी बीजेपी ने उनकी बात नहीं मानी। महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव के बीच भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के गठबंधन यानी महायुति में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। एक ओर जहां इन तीनों दलों के नेता एक दूसरे खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं तो वहीं तीनों दलों के नेता इन्हीं पार्टियों में से किसी में शामिल हो रहे हैं।

बीजेपी ने शिवसेना पर लगाए आरोप

उधर, शिवसेना की प्रेस वार्ता के बाद बीजेपी की कल्याण इकाई के अध्यक्ष नंदू परब ने शिवेसना सांसद श्रीकांत शिंदे का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि सबसे पहले उन्होंने कल्याण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में महायुति के नियमों और नीति को ताक पर रखा।

परब ने दावा किया कि दोनों दलों के नेताओ द्वारा नियमों और नीतियों पर सहमत होने के बावजूद शिवसेना ने अंबरनाथ में रॉसलिन फर्नांडिज को को पार्टी में शामिल करा के नियमों को तोड़ा। परब ने प्रेस वार्ता में कहा कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि अब और किसी शिवसेना नेता को पार्टी में शामिल न कराया जाए। हालांकि उन्होंने इस बात की चेतावनी दी कि अगर शिवसेना ने दोबारा किसी पार्टी के नेता को अपने साथ शामिल किया तो बीजेपी भी पीछे नहीं हटेगी।

शिंदे ने महायुति के अन्य घटक दलों को चेताया

बीते दिनों राज्य के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महायुति के अन्य घटक दलों को चेताया था कि वह उनकी पार्टी के नेताओं को अपने साथ न लाएं। इसके बावजूद भी बुधवार को बीजेपी ने विकास देसले और अभिजीत थरवाल को पार्टी में शामिल कराया। यह दोनों नेता डोंबीवली से आते हैं। शिवसेना नेताओं के बीजेपी में शमिल होने के बाद पार्टी नेता और विधायक राजेश मोरे ने एक प्रेस वार्ता की। उन्होंने इस प्रेस वार्ता में बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण पर निशाना साधा। उन्होंने चव्हाण पर महायुति गठबंधन की नीतियों और नियमों के उल्लंघन के गंभीर आरोप लगाए। मोरे ने सख्त लहजे में बीजेपी द्वारा शिवसेना नेताओं को पार्टी में शामिल करने पर आपत्ति जताई। इसी प्रेस वार्ता में शिवसेना के जिला उपाध्यक्ष राजेश कदम ने आरोप लगाए कि बीजेपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष शिवेसना नेताओं के घर जाकर उन्हें दल छोड़ने के लिए प्रलोभन दे रहे हैं।

» बीजेपी ने विकास देसले और अभिजीत थरवाल को पार्टी में शामिल कराया

पंजाब में 27 में विधानसभा चुनाव अभी से पकने लगी सियासी खिचड़ी

» शिअद अभी मौन, कांग्रेस और आप रणनीति बनाने में जुटे

» दूसरे गुट की मंशा अकेले लडा जाए

» भाजपा व शिअद में गठबंधन पर चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में 27 में विस चुनाव हैं। वहां के सियासी दल अपने-अपने सियासी तरकस व तीर कसने लगे हैं। सत्ता में बैठी आप की मान सरकार फिर से दुबारा सरकार बनाने के लिए कोई कोर कसर छोड़ना नहीं चाहती है जबकि कभी सत्ता में रहीं भाजपा व शिरोमणी अकालि दल फिरएकबार साथ आकर सत्ता में वापसी चाहती है। पर उसमें अभी दो सोच बाहर आ रहे हैं एक गुट गठबंधन की चाहत दूसरा अके ले लड़ने की।

खैर ये तो आने वाला समय ही बताएगा की ऊं ट किस करवट बैठता है। पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के बीच गठबंधन की अटकलें और मतभेद बढ़ते जा रहे हैं। पंजाब भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेता चाहते हैं कि फरवरी 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले सूबे में भाजपा-शिअद का गठबंधन हो जाए मगर दूसरे धड़ा इसका विरोध करते हुए अकेले चुनाव लड़ने का दम भरता है। इसी मतभेद के चलते अब गेंद भाजपा हाईकमान के पाले में है।

भाजपा का एक धड़ा चाहता है गठजोड़

अमरिंदर सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ शिअद के पक्ष में

भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम कैप्टन अमरिंदर सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ इस बात की खुलकर पैरवी कर चुके हैं कि भाजपा की जीत के लिए शिअद के साथ बहुत जरूरी है। पिछले दिनों कैप्टन ने तो यह तक कह दिया था मौजूदा सियासी परिस्थितियों के मद्देनजर शिअद के बिना भाजपा के लिए साल 2027 क्या साल 2032 का चुनाव भी अकेले जीतना संभव नहीं है। जाखड़ भी इस गठबंधन को जरूरी बता चुके हैं। दरअसल, कैप्टन और जाखड़ दोनों ही नेता कांग्रेस पृष्ठभूमि से रहे हैं मगर कांग्रेस की अनदेखी के बाद दोनों ने भाजपा का दामन थाम लिया था। दोनों ने भाजपा

केंद्रीय नेतृत्व से नजदीकियां बढ़ाईं और अब दोनों नेता अपने-अपने तरीकों से हाईकमान को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि शिअद के मदद से भाजपा कैसे पंजाब में सरकार बना सकती है। हाईकमान को यह बताया जा रहा है कि पंजाब के शहरी क्षेत्र में भाजपा की पकड़ बढ़ रही है मगर ग्रामीण क्षेत्र में शिअद का अच्छा प्रभाव है।

शिअद को गठबंधन की जरूरत

पंजाब की सियासत में साल 1969 के बाद से शिरोमणि अकाली दल का सूबे में असर बढ़ा। इस दल ने पंथक राजनीति के बूते खासकर ग्रामीण इलाकों में अपनी अच्छी खासी पैठ बढ़ाई। पंजाब में वे इलाके जहां पंथक मुद्दे सबसे ज्यादा असरदार रहते हैं, वहां शिअद की अच्छी पकड़ बनी। इसी के बूते शिअद ने पंजाब में सात बार सरकार बनाई है मगर अब शिअद सियासी संकट से जूझ रहा है। साल 2022 के चुनाव में शिअद केवल 3 सीटों पर सिमट कर रह गया। अब शिअद दोफाड़ का शिकार हुआ और इसके समक्ष एक नया दल शिरोमणि अकाली दल (पुनर सुरजीत) खड़ा हो गया।

केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू समेत कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष अश्वनी शर्मा की राह अलग

भाजपा के दूसरे धड़े में कांग्रेस से ही आए केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू समेत कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष अश्वनी शर्मा समेत अन्य पुराने भाजपाई पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का दावा कर रहे हैं। इस संदर्भ में मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में अश्वनी शर्मा ने एक बैठक के दौरान यह स्पष्ट किया कि भाजपा अगले चुनाव में अकेले लड़ेगी और शिअद से गठजोड़ का कोई इरादा नहीं है। पार्टी सूत्र बताते हैं कि इस पर निर्णय पार्टी हाईकमान ही लेगा और इस मामले में हाईकमान भी अभी जल्दी में नहीं है। राज्यमंत्री रवनीत बिट्टू कहते हैं कि पंजाब में भाजपा को अकेले ही चुनाव लड़ना चाहिए, क्योंकि सूबे में पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है मगर गठबंधन पर हाईकमान जो फैसला लेगा, उसके तहत ही आगे बढ़ा जाएगा।

कांग्रेस और आप में मचेगी खलबली

भाजपा-शिअद के गठबंधन की अटकलों से सूबे में आप और कांग्रेस में बेचैनी का माहौल दिख रहा है। दो दिन पहले आम आदमी पार्टी के वित्तमंत्री हरपाल चीमा ने प्रेसवार्ता कर भाजपा-शिअद राज के कार्यकाल पर कई गंभीर सवाल खड़े किए थे। उनका कहना था कि शिअद फिर भाजपा के सहारे में सत्ता में आने का सपना देख रहा है मगर पंजाब के लोग साल 2007 से 2017 तक इनका कार्यकाल देख चुके हैं और अब इनके चुंगल में आने वाले नहीं है। उधर, ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के सचिव व विधायक परगट सिंह कहते हैं कि अकाली-भाजपा गठबंधन पर कैप्टन अमरिंदर ने यह बात साफ कर दी है कि दोनों पार्टियों की विचारधारा अलग-अलग है। भाजपा हर चीज को केंद्रीयकृत करना चाहती है जबकि शिअद एक क्षेत्रीय दल है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं का अब भी इंतजार

बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही, उसका ताजा मामला राजस्थान व मध्यप्रदेश में देखने को मिला जहां कप सिरप पीने से कई बच्चों की जान चली गई जबकि कई दिनों से हेल्थ विभाग को ये जानकारी दी गई थी कि इस सिरप कु छ कमी है जो बच्चों के लिए हानिकारक है पर अधिकारियों ने अनसुना कर दिया है।

देश की आजादी आज 78 साल हो पर भारत में आज भी स्वास्थ्य लचर हैं। 11 साल से एनडीए गठबंधन के दावे भी खोखले ही साबित हो रह हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ सालों में भारत के सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर से लोगों का विश्वास कम होता जा रहा है। उसका मूल कारण है वहां पर सुविधाओं को अभाव और आम लोगों की सुनवाई न होना। अब तो एक और मुश्किल हो गई हैं। बुनियादी सुविधाओं में लापरवाही, उसका ताजा मामला राजथ्थान व मध्यप्रदेश में देखने को मिला जहां कप सिरप पीने से कई बच्चों की जान चली गई जबकि कई दिनों से हेल्थ विभाग को ये जानकारी दी गई थी कि इस सिरप कु छ कमी है जो बच्चों के लिए हानिकारक है पर अधिकारियों ने अनसुना कर दिया है। वहीं राजस्थान में ओटी में शार्ट सर्किट से लगी आग से कई लोग असमय ही काल के गाल में समा गए। अब सवाल उठता है कि सरकारी हेल्थ विभ ाग में विश्वास किस तरह कायम रखा जा सकता है? केंद्रीय स्तर पर तकनीक आधारित स्वास्थ्य जांच और निगरानी तंत्र का गठन आवश्यक है।

स्वास्थ्य अधिकारों पर विधेयक बनाकर डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकती है। अस्पतालों में साइबर सुरक्षा, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्डिंग, और प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान देकर मरीजों की गोपनीयता और सेवा की दक्षता को मज़बूत बनाया जा सकता है। पारदर्शिता से ही बढ़ेगा स्वास्थ्य तंत्र पर भरोसा सरकारी अस्पतालों में दवाओं और उपकरणों की उपलब्धता, चिकित्सकों की जवाबदेही और मरीजों के प्रति संवेदनशीलता जरूरी है। समय पर इलाज, स्वच्छ वातावरण और भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था से ही जनता का स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास कायम रहेगा। भरोसेमंद प्रणाली से ही जनकल्याण के उद्देश्य पूरे हो सकते हैं। जनकल्याण योजनाओं की जानकारी हर व्यक्ति तक पहुंचे। सरकार की ओर से कई स्वास्थ्य योजनाएं चलाई जाती हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में लोग इनका लाभ नहीं उठा पाते। शिविरों के आयोजन और संचार तकनीक के माध्यम से सही जानकारी समय पर आमजन तक पहुंचाई जाए तो वे बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त कर सकेंगे। सूचना की सुलभता ही स्वास्थ्य सुधार की कुंजी है। भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवाओं से ही बनता मजबूत समाज। स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास बनाए रखने के लिए भ्रष्टाचार से मुक्ति और पारदर्शी प्रबंधन आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण देखभाल, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार और डिजिटल सेवाओं के विस्तार से आमजन तक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ बन सकती हैं। प्रशिक्षण और संसाधनों का बेहतर उपयोग ही स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करेगा। भारत में स्वास्थ्य एक बहुत बड़ा समाज को जोड़ने का काम है। इसलिए इसका सुदृढ़ होना जरूरी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीनी चुनौती के मुकाबले की क्षमता पर जोर

डॉ. एल.एस. यादव

वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना के विध्वंसक आईएनएस राजपूत ने 3 दिसम्बर, 1971 को देर रात विशाखापट्टनम के पास गाजी पनडुब्बी पर हमला करके उसे डुबो दिया। इसमें सभी सवार पाकिस्तानी नौसैनिक मारे गए। इसके अगले दिन 4 दिसम्बर, 1971 की रात को ऑपरेशन ट्राइडेंट शुरू किया गया। इस अभियान में भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर आक्रमण करके उसे नष्ट कर दिया। इसमें भी अनेक पाकिस्तानी नौसैनिकों की जानें चली गईं, लेकिन भारत को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस युद्ध की समाप्ति के बाद अगले वर्ष मई, 1972 में वरिष्ठ नौसेना अधिकारी सम्मेलन हुआ, जिसमें 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान भारतीय नौसेना की उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करने के लिए 4 दिसम्बर को भारतीय नौसेना दिवस मनाए जाने का फैसला लिया गया।

उसके बाद से भारतीय नौसेना की युद्धक तैयारियां लगातार जारी हैं। ऑपरेशन सिंदूर में भी नौसेना ने अपनी युद्धक तैयारियों को प्रदर्शित करते हुए त्वरित तैयारी, आक्रामक युद्धाभ्यास और हथियारों के सटीक उपयोग के साथ पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के भीतर ही सीमित कर दिया था। उत्तरी हिन्द महासागर में 'कैरियर बैटल ग्रुप' की मौजूदगी ने दबाव बनाकर यह सुनिश्चित किया कि पाकिस्तानी नौसेना अपने तट के समीप या अपने बंदरगाहों के भीतर ही बनी रहे। 'कैरियर बैटल ग्रुप' वह नौसैनिक समूह है जिसमें एक या उससे अधिक विमानवाहक , विध्वंसक युद्धपोत, फ्रिगेट और पनडुब्बियां शामिल होती हैं। आज भी भारतीय नौसेना समुद्री मार्गों की सुरक्षा के साथ-साथ समुद्री डकैती और अन्य आपात स्थितियों में कार्रवाई करके अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। नौसेना की मुख्य संरचना तीन कमांड मुख्यालयों में विभाजित है। इनमें पूर्वी नौसेना कमांड का मुख्यालय विशाखापट्टनम में है और यह बंगाल की खाड़ी में संचालन का नियंत्रण करती है।

दूसरी पश्चिमी नौसेना कमांड का मुख्यालय मुम्बई में है और यह अरब सागर में संचालन का नियंत्रण करती है, और तीसरी दक्षिणी नौसेना कमांड का मुख्यालय कोच्चि में है और यह प्रशिक्षण व तकनीकी कार्यों का संचालन व नियंत्रण करती है। वर्तमान में पाकिस्तान और चीन की रक्षा तैयारियों को देखते हुए भारतीय नौसेना को अत्यंत आक्रामक बनाया जा रहा है। हिन्द महासागर क्षेत्र में हाल के

घटनाक्रमों को देखते हुए भारतीय नौसेना का मुख्य फोकस रणनीतिक रूप से चीन की बढ़ती मौजूदगी का मुकाबला करने पर है। भारत की सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के संदर्भ में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने चार नवम्बर, 2025 को कहा था कि नौसेना में हर 40 दिन में एक नया स्वदेशी युद्धपोत या पनडुब्बी शामिल की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उनके बल का लक्ष्य सन 2035 तक 200 से अधिक युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन करना है। नौसेना तकरीबन 145 युद्धपोतों और पनडुब्बियों का संचालन कर रही है। भारतीय नौसेना में मानवरहित नौका शामिल की जा रही हैं। इसका नाम मातंगी रखा गया है। इन नौकाओं से नौसेना की निगरानी क्षमता काफी बढ़ जाएगी। इन नौकाओं का निर्माण स्वदेशी कंपनी सागर डिफेंस कर रही है। अभी चार बोट शीघ्र मिलने की प्रक्रिया चल रही है। ऐसी कुल 12 बोट बनाई जा रही हैं। ये नौकाएं 60 से 65 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल सकती हैं तथा इन्हें सेटेलाइट से संचालित किया जा सकता है। भारतीय नौसेना ने समुद्री डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन जैसी स्मार्ट तकनीक के परीक्षण में सफलता हासिल कर ली है। बीते दिनों नौसेना के कमांडर्स सम्मेलन में वाइस चीफ ऑफ नेवल स्टाफ वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन ने बताया कि नौसेना की स्मार्ट तकनीक का परीक्षण सफल रहा है। इस परीक्षण में एक मॉडिफाइड जहाज पर 15,000 से ज्यादा सेंसर और एक कंप्यूटिंग नोड लगाए गए थे। लगभग दो वर्षों तक अरब सागर तथा बंगाल की खाड़ी में इसके परीक्षणों के बाद अब अगले वर्ष से बनाए जाने वाले प्रत्येक युद्धपोत, फ्रिगेट्स और डेस्ट्रायर में यह तकनीक लगी होगी। अंतरिक्ष से भी अब भारतीय नौसेना दुश्मन की हर हरकत पर नजर रख सकेगी। इसके लिए इसरो ने 2 नवम्बर, 2025 को नौसेना के लिए सीएमएस-03 (जीसैट-7आर) कम्युनिकेशन सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च कर दिया है। यह उपग्रह नौसेना का अब तक का सबसे एडवांस्ड उपग्रह है। नौसेना को समुद्र में बेहतर संचार सुविधा और समुद्री क्षेत्र की निगरानी में बड़ी मदद मिलेगी। समंदर में भारत की ताकत बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक युद्ध क्षमताओं से लैस स्वदेशी युद्धपोत तारागिरी को 28 नवम्बर, 2025 को मुम्बई स्थित मझगांव डाक शिप बिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया।

समुद्री पानी के गर्म होने से बढ़ता चक्रवाती कहर

पंकज चतुर्वेदी

सत्ताईस नवंबर तक भारत के दक्षिणी राज्यों में सेनयार चक्रवात ने भारी तबाही मचाई थी और अगले दिन दितवाह ने अपना कहर शुरू कर दिया। तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत, 57 हजार हेक्टेयर फसल नष्ट होना और अनगिनत घरों का उजड़ना इसके परिणाम रहे। आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी और तमिलनाडु में जलभराव ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया। सबसे बड़ी मार किसानों पर पड़ी है, क्योंकि उत्तर-पूर्वी मानसून के कारण धान, गन्ना और अन्य फसलें कटाई के करीब थीं, जिन्हें भारी बारिश ने गिरा दिया। यदि 48 घंटे में धान न कटे तो वे सड़ जाएंगे, और खेतों में पानी भरने के कारण यह कार्य संभव नहीं है। दुनिया में तेजी से आ रहे प्राकृतिक बदलावों ने ऐसे तूफानों की संख्या में वृद्धि की है। यदि मानव ने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ को नियंत्रित नहीं किया तो साइक्लोन या बवंडर के चलते भारत के सागर किनारे वाले शहरों में लोगों का जीना दूभर हो जाएगा।

वैज्ञानिकों के अनुसार, पिछले 30 वर्षों के दौरान तूफानों की तीव्रता में बढ़ोतरी देखी गई है। हिंद महासागर के गर्म होने के कारण चक्रवातों की गति व मजबूती बढ़ी है। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार, पिछले पांच सालों (करीब 2018-2022) में तूफानों की घटनाओं में 32 प्रतिशत इजाफा हुआ। पिछले तीन माह में यह चौथा विकराल चक्रवात है। यही नहीं, मई से जुलाई तक कई कम क्षमता के चक्रवातों ने पश्चिम बंगाल, कोंकण, गुजरात आदि में कोहराम मचाया था। इस तरह के बवंडर तात्कालिक नुकसान ही नहीं पहुंचाते, बल्कि इनका दीर्घकालिक प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। इसके साथ ही, समूची प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है। वनों या पेड़ों को संपूर्ण स्वरूप पाने में दशकों लगे, वे पलक झपकते नेस्तनाबूद हो जाते हैं। तेज हवा के कारण तटीय क्षेत्रों में मीठे पानी में खारा पानी मिलने और खेती वाली जमीन पर मिट्टी व दलदल बनने से हुई क्षति पूरा करना मुश्किल होता है।

वर्ष 2019 में जारी आईपीसीसी की रिपोर्ट 'ओशन एंड क्रायोस्फीयर इन ए चेंजिंग क्लाइमेट' के अनुसार, सारी दुनिया के महासागर 1970 से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से उत्पन्न 90 फीसदी अतिरिक्त गर्मी को अवशोषित कर चुके हैं। इसके कारण महासागर गर्म हो रहे हैं और इसी से चक्रवात का शीघ्र और भयंकर चेहरा सामने आ रहा है। निवार तूफान के पहले बंगाल की खाड़ी में जलवायु परिवर्तन के चलते समुद्र का जल सामान्य से अधिक गर्म हो गया था। उस समय समुद्र की सतह का तापमान औसत से लगभग 0.5-1 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म था, कुछ क्षेत्रों में यह सामान्य से लगभग 1.2 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया था। बता दें कि समुद्र का 0.1 डिग्री तापमान बढ़ने का अर्थ है चक्रवात को अतिरिक्त ऊर्जा मिलना। हवा की विशाल मात्रा के तेजी से गोल-गोल घूमने पर उत्पन्न तूफान उष्णकटिबंधीय चक्रीय बवंडर कहलाता है। पृथ्वी भौगोलिक रूप से दो गोलार्धों में विभाजित है। ठंडे या बर्फ वाले उत्तरी गोलार्ध में उत्पन्न इस तरह के तूफानों को हरिकेन या टाइफून कहते हैं। इनमें हवा का घूर्णन घड़ी की सुइयों के विपरीत दिशा में एक वृत्ताकार रूप में होता है।

जब बहुत तेज हवाओं वाले उग्र आंधी तूफान अपने साथ मूसलधार वर्षा लाते हैं तो उन्हें हरिकेन कहते हैं। जबकि भारत के हिस्से दक्षिणी अर्धगोलार्ध में इन्हें चक्रवात या साइक्लोन कहा जाता है। इस तरफ हवा का घुमाव घड़ी की सुइयों की दिशा में वृत्ताकार होता है। किसी भी उष्णकटिबंधीय अंधड़ को चक्रवाती तूफान की श्रेणी में तब गिना जाने लगता है जब उसकी गति कम से कम 74 मील प्रति घंटे हो जाती है। ये बवंडर कई परमाणु बमों के बराबर ऊर्जा पैदा करने की क्षमता वाले होते हैं। भारतीय उपमहाद्वीप में बार-बार और हर बार पहले से घातक तूफान आने का वास्तविक कारण मानव द्वारा किए जा रहे प्रकृति के अंधाधुंध दोहन से उपजी पर्यावरणीय त्रासदी 'जलवायु परिवर्तन' भी है। इस साल के प्रारंभ में ही अमेरिका की अंतरिक्ष शोध संस्था नासा ने चेता दिया था कि जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रकोप से चक्रवाती तूफान और तीव्र होते जाएंगे। जलवायु परिवर्तन के कारण उष्णकटिबंधीय महासागरों का तापमान बढ़ने से सदी के अंत में बारिश के साथ भयंकर बारिश और तूफान आने की दर बढ़ सकती है।

यह बात नासा के एक अध्ययन में सामने आई है। अमेरिका में नासा के जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी यानी जेपीएल के नेतृत्व में यह अध्ययन किया गया। इसमें औसत समुद्री सतह के तापमान और गंभीर तूफानों की शुरुआत के बीच संबंधों को निर्धारित करने के लिए उष्णकटिबंधीय महासागरों के ऊपर नासा के वायुमंडलीय इन्फ्रारेड साउंडर (एआईआरएस) उपकरणों द्वारा 15 सालों तक एकत्र आंकड़ों के आकलन से यह बात सामने आई। अध्ययन में पाया गया कि समुद्र की सतह का तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने पर गंभीर तूफान आते हैं। 'जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स' (फरवरी, 2019) में प्रकाशित अध्ययन में, समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि के कारण हर एक डिग्री सेल्सियस पर 21 प्रतिशत अधिक तूफान आते हैं। 'जेपीएल' के साइंटिस्ट हार्टमुट औमन के मुताबिक गर्म वातावरण में गंभीर तूफान बढ़ जाते हैं। भारी बारिश के साथ तूफान आमतौर पर साल के सबसे गर्म मौसम में ही आते हैं। लेकिन जिस तरह इस साल बरसात और सर्दियों में भारत में ऐसे तूफान के हमले बढ़े हैं, यह हमारे लिए गंभीर चेतावनी है।

इम्यूनिटी को कमजोर बनाती हैं ये चार गलतियां

सर्दी और जुकाम, जिन्हें हम आम तौर पर एक सामान्य बीमारी मानते हैं, हमारी दिनचर्या की कुछ गलतियों के कारण बार-बार होते हैं। ये गलतियां हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करती हैं, जिससे हमारा शरीर वायरस और बैक्टीरिया के हमलों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। अक्सर हम सोचते हैं कि सर्दी-जुकाम सिर्फ मौसम बदलने के कारण होता है, लेकिन यह पूरा सच नहीं है। हमारी कुछ आदतें भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। ये छोटी-छोटी गलतियां न सिर्फ हमारी सेहत को प्रभावित करती हैं, बल्कि आपके काम और पढ़ाई में भी बाधा डालती हैं। ये चार प्रमुख गलतियां हैं जिनसे हमें बचना चाहिए ताकि हम सर्दी-जुकाम के खतरे को कम कर सकें। इम्यून सिस्टम कमजोर होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे कि पहले से कोई बीमारी या फिर जरूरत से ज्यादा सिगरेट या शराब पीने की आदत। इम्यून सिस्टम कमजोर होने से आप बार-बार बीमार पड़ सकते हैं और आपको ठीक होने में काफी वक्त लग सकता है।

पर्याप्त नींद न लेना

सेहतमंद जीवन के लिए पर्याप्त नींद लेना बहुत जरूरी है। क्योंकि नींद की कमी हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को सीधे तौर पर प्रभावित करती है। जब हम पर्याप्त नहीं सोते, तो शरीर में साइटोकिन्स नामक प्रोटीन का उत्पादन कम हो जाता है, जो संक्रमण से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। हर रात 7-8 घंटे की अच्छी नींद लेने से हमारा शरीर खुद को ठीक कर पाता है और बीमारियों से लड़ने के लिए तैयार रहता है।

खराब खान-पान

खानपान और लाइफस्टाइल में हो रहे बदलाव हमारी सेहत पर सबसे ज्यादा प्रभाव डालते हैं। इसलिए हम क्या खाते और किस तरह की फूड हैबिट को अपनाते हैं इसका सही होना बहुत जरूरी है। भागदौड़ की जिंदगी में समय का अभाव है और इसी के चलते रेडीमेड खाना यानि कि पैक्ड फूड का चलन भी बढ़ गया है। सुबह के समय नाश्ता करने का समय नहीं मिला तो कुछ पैक्ड खाने के सहारा ले लिया और ये एक दिन की मजबूरी कब आदत बन जाती है पता नहीं चलता। जहां एक और इस खाने ने जिंदगी को थोड़ी सी सहूलियत ही है तो वहीं दूसरी और सेहत के लिए हानिकारक भी साबित हो रहा है। इन अनहेल्दी डाइट जैसे ज्यादा मीठा, प्रोसेस्ड फूड और जंक फूड का सेवन, हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करता है। विटामिन और खनिजों की कमी शरीर को कमजोर बनाती है। अपनी डाइट में विटामिन सी (खट्टे फल), जिंक (नट्स) और प्रोटीन जैसे पोषक तत्वों को शामिल करें।

तनाव को अनदेखा करना

तनाव लेने पर ऐसा लगता है जैसे पूरे शरीर का चैन छिन गया है और घबराहट भी होने लगती है। लंबे समय तक रहने वाला तनाव शरीर में कोर्टिसोल नामक हार्मोन के स्तर बढ़ाता है, जिससे हमारा इम्यूनिटी सिस्टम प्रभावित होता है। तनाव के कारण शरीर संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील होने लगता है। ऐसे में आप तनाव को दूर करने के लिए योग, ध्यान या व्यायाम जैसी गतिविधियां अपना सकते हैं, इसके अलावा कुछ देर शांति से बैठकर गहरी सांस लेने पर फायदा मिलता है। चैन से कम से कम 10 मिनट बैठें और गहरी सांस लें।

साफ-सफाई न रखना

हाथों को नियमित रूप से न धुलना सर्दी और जुकाम के वायरस को फैलने से रोकने का सबसे आसान तरीका है। हम दिन भर में कई सतहों (दरवाजे के हैंडल, डेस्क) को छूते हैं, जहां वायरस मौजूद हो सकते हैं। बिना हाथ धोए चेहरे, नाक या मुंह को छूने से वायरस आसानी से शरीर में प्रवेश कर जाता है। इसलिए साबुन और पानी से नियमित रूप से हाथ धोना बेहद जरूरी है। आम तौर पर लोग सफाई तो कर लेतें हैं लेकिन यह भूल जाते हैं कि आप जिस चीज से साफाई कर रहे हैं वो कितना साफ है. घर की सफाई के साथ आपको डस्टिंग करने वाले कपड़े को समय पर बदलते रहना चाहिए।

हंसना मना है

एक सुंदर औरत क्रिकेट का मैच देख रही थी और चेहरे पर इंडिया के झंडे का नक्शा था, एक बजुर्ग पास आया और उसके चेहरे को चूम कर बोला कितना सुंदर है मेरा भारत?

प्लम्बर: सर, नल ठीक हो गया लेबर चार्ज 800 रुपये.. इंजीनियर: अरे, 1 घंटे की इतनी फीस तो मेरी भी नहीं है! प्लम्बर: सर, जब मैं इंजीनियर था तो मेरी भी नहीं थी!

ज्योतिषी: तुम्हारा नाम कविता है? जी महाराज, ज्योतिषी: पति का नाम रितेश है? कविता : जी.. ज्योतिषी : तेरे दो लड़के और एक लड़की है? कविता: बिलकुल सही, ज्योतिषी : बड़े लड़के का नाम ऋषिकांत और छोटे का राजू है, कविता: हां में गर्दन हिलाती है, ज्योतिषी : ऐश्वया15 साल की है, कविता: जी बिलकुल सही बता रहे हैं, ज्योतिषी : तूने कल 25 किलो गेहूं खरीदे हैं? कविता: आप तो पूरे अंतरयामी हैं, ज्योतिषी: अगली बार कुंडली लाना राशन कार्ड नहीं?

पत्नी ने तुनककर कहा-'जब अक्ल बंट रही थी, तो उस वक्त तुम कहां थे?''प्रिये, उसी वक्त तो हमारे-तुम्हारे फेरे हो रहे थे।' पति ने तपाक से जवाब दिया।

कहानी | कछुआ और खरगोश

एक वक्त की बात है, किसी घने जंगल में एक खरगोश रहता था, जिसे अपने तेज दौड़ने पर बहुत घमंड था। उसे जंगल में जो दिखता, वो उसी को अपने साथ दौड़ लगाने की चुनौती दे देता। दूसरे जानवरों के बीच वो हमेशा खुद की तारीफ करता और कई बार दूसरे का मजाक भी उड़ाता। एक बार उसे एक कछुआ दिखा, उसकी सुस्त चाल को देखते हुए खरगोश ने कछुए को भी दौड़ लगाने की चुनौती दे दी। कछुए ने खरगोश की चुनौती मान ली और दौड़ लगाने के लिए तैयार हो गया। जंगल के सभी जानवर कछुए और खरगोश की दौड़ देखने के लिए जमा हो गए। दौड़ शुरू हो गई और खरगोश तेजी से दौड़ने लगा और कछुआ अपनी धीमी चाल से आगे बढ़ने लगा। थोड़ी दूर पहुंचने के बाद खरगोश ने पीछे मुड़कर देखा, तो उसे कछुआ कहीं नहीं दिखा। खरगोश ने सोचा, कछुआ तो बहुत धीरे-धीरे चल रहा है और उसे यहां तक पहुंचने में काफी वक्त लग जाएगा, क्यों न थोड़ी देर आराम ही कर लिया जाए। यह सोचते हुए वह एक पेड़ के नीचे आराम करने लगा। पेड़ के नीचे सुस्ताते-सुस्ताते कब उसकी आंख लग गई, उसे पता भी नहीं चला। उधर, कछुआ धीरे-धीरे और बिना रुके लक्ष्य तक पहुंच गया। उसकी जीत देखकर बाकी जानवरों ने तालियां बजानी शुरू कर दी। तालियों की आवाज सुनकर खरगोश की नींद खुल गई और वो दौड़कर जीत की रेखा तक पहुंचा, लेकिन कछुआ तो पहले ही जीत चुका था और खरगोश पछताता रह गया।

कहानी से सीख- इस कहानी से यही सीख मिलती है कि जो धैर्य और मेहनत से काम करता है, उसकी जीत पक्की होती है और जिन्हें खुद पर या अपने किए हुए कार्य पर घमंड होता है, उसका घमंड कभी न कभी टूटता जरूर है।

7 अंतर खोजें

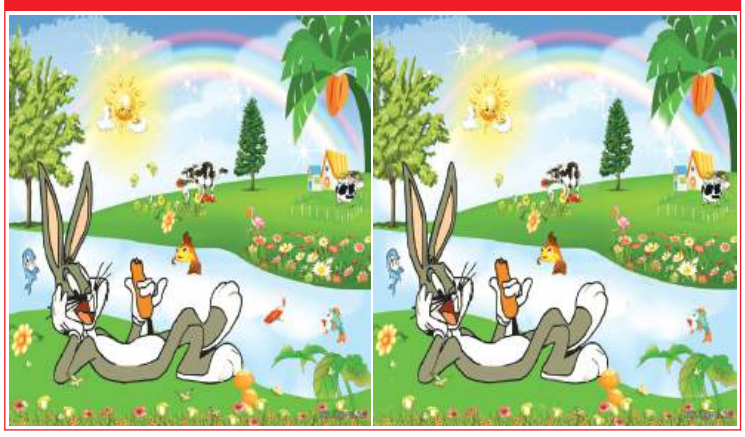

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में चैन बना रहेगा। सही काम का भी विरोध होगा।

वृषभ

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी।

सिंह

आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या

किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

तुला

प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा।

मीन

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

हंसी, रोमांस और ड्रामा का कॉम्बो 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का ट्रेलर आउट

संजय मिश्रा और महिमा चौधरी स्टारर कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। अब तक फिल्म के पोस्टर ही सामने आए थे, जिनको देखने के बाद फैंस इस फिल्म के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। अब फाइनली फिल्म का ट्रेलर सामने आया है। जानिए ट्रेलर में क्या कुछ है खास....

2 मिनट 50 सेकेंड के ट्रेलर की शुरुआत संजय मिश्रा से ही होती है। फिल्म में संजय मिश्रा के बेटे बने मुरली (व्योम यादव) की शादी की बात होती है। इसके बाद व्योम को महक (पलक लालवानी) मिलती है, जिससे वो शादी करना चाहता है। लेकिन उसके घर वाले कहते हैं कि जिस घर में कोई महिला नहीं होगी, उस घर में अपनी बेटी की शादी नहीं करेंगे। ऐसे में अब मुरली पिता दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी कराने की सोचता है। क्योंकि घर में पिता और पुत्र दो ही हैं। इसके बाद शुरू होती है दुर्लभ प्रसाद (संजय मिश्रा) के लिए दुल्हन ढूंढने की कोशिश। इसी दौरान ट्रेलर में बबीता (महिमा चौधरी) की एंट्री

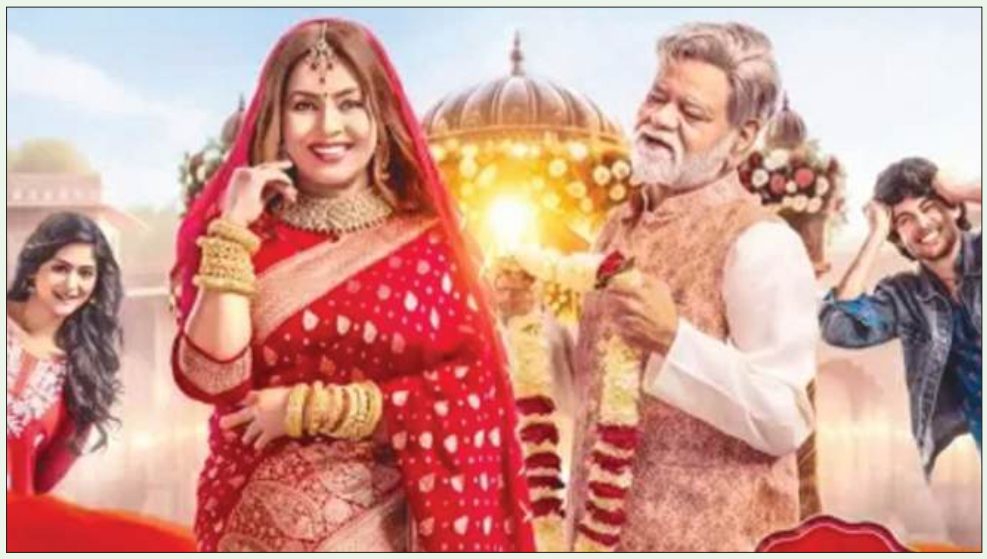

होती है। जो शराब और सिगरेट पीने वाली एक बोल्ड लेडी बनी हुई हैं। फिर कैसे कहानी बढ़ती है और क्या ट्विस्ट आते हैं और अंत में क्या मुरली और दुर्लभ प्रसाद की शादी हो पाती है? ये सब फिल्म देखने के बाद पता चलेगा।

सिद्धांत राज सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में संजय मिश्रा और महिमा चौधरी के अलावा व्योम यादव, पलक लालवानी और श्रीकांत वर्मा भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आए हैं। 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' आगामी 19 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

भारत में धूम मचाने को तैयार करण औजला

पंजाबी म्यूजिक सेंसेशन करण औजला साल 2026 की शुरुआत में भारत में पी-पॉप कल्चर वर्ल्ड टूर के लिए तैयार हैं। इसके तहत वह भारत के छह शहरों में परफॉर्म करेंगे। भारत उनके ग्लोबल टूर का एक बड़ा पड़ाव है। उम्मीद की जा रही है कि उनके कॉन्सर्ट में भारी भीड़ उमड़ेगी। ऐसे में उनके कॉन्सर्ट के बारे में कई जानकारियां सामने आई हैं। बताया जाता है कि करण औजला के कॉन्सर्ट की टिकटें 3 दिसंबर 2025 से ऑफिशियल बुकिंग प्लेटफॉर्म पर दोपहर 2 बजे के बाद से मिलनी शुरू हो जाएंगी। एचएसबीसी क्रेडिट कार्ड धारकों को पहले टिकटें मिल सकती हैं। एचएसबीसी क्रेडिट कार्ड धारक 1 दिसंबर 2025 को दोपहर 12 बजे से टिकटें खरीद सकते हैं। कॉन्सर्ट के एंट्री-लेवल टिकट 999 रुपये से शुरू होंगे। स्टैंडर्ड पास के अलावा ऑर्गेनाइजर वीआईपी पास की भी व्यवस्था करेंगे। खबर है कि करण औजला के कॉन्सर्ट बड़े स्टेडियम और खास जगहों पर होंगे। करण अपने सभी गानों के सिंगर, कंपोजर और लेखक हैं। हाल ही में वह अपना एल्बम, पी-पॉप कल्चर लेकर आए। इसे लोगों ने खूब पसंद किया। फैंस ने उनके गाने फॉर ए रीजन, बॉयफ्रेंड, गबरू, और आई रियली डू जैसे गानों को प्यार दिया है।

कॉन्सर्ट का शेड्यूल

भारत में करण औजला के कॉन्सर्ट फरवरी के आखिर से छह बड़े शहरों में होंगे। यह मार्च 2026 तक चलेंगे। कॉन्सर्ट का शेड्यूल इस तरह से है।

नई दिल्ली	28 फरवरी, 2026
मुंबई और पुण	4 मार्च, 2026
चंडीगढ	14 मार्च, 2026
इंदौर	21 मार्च, 2026
बेंगलुरु	29 मार्च, 2026

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्मों के पेड प्रमोशन के खिलाफ यामिनी गौतम का फूटा गुस्सा

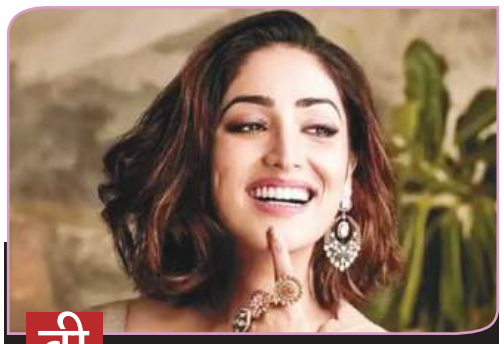

बीते दिनों फिल्म हक में नजर आई यामी गौतम ने बॉलीवुड में चल रहे पेड प्रमोशन पर आवाज उठाई है। एक्ट्रेस ने अपने एक्स अकाउंट पर एक लंबा चौड़ा नोट लिखा है कि एक चीज जिसके बारे में वो काफी समय से बात करना चाह रही थीं अब उसे कहने का समय आ गया है। नए मॉन्स्टर ट्रेंड के बारे में बात करते हुए यामी ने अपना दुख व्यक्त किया। धुरंधर की रिलीज से पहले यामी ने मीडिया के उस ट्रेंड पर बात की जिसमें प्रमोटर्स को पाजिटिव रिव्यू लिखने के लिए पैसे दिए जाते हैं। ये पोस्ट काफी तेजी से वायरल हो रहा है। यामी ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, फिल्म की मार्केटिंग के लिए पैसा देने का एक तथाकथित चलन सा हो गया है। ये सुनिश्चित करता है कि फिल्म के लिए अच्छा प्रचार किया जाएगा वरना वो लगातार नकारात्मक बातें लिखते रहेंगे (फिल्म रिलीज होने से पहले भी), जब तक आप उन्हें पैसे नहीं देते वे ऐसा करते रहते हैं। यह एक तरह की जबरन वसूली के अलावा कुछ नहीं लगता। यामी ने ये भी बताया कि अगर कोई इस ट्रेंड को तोड़ने की कोशिश करता है तो वो उसके खिलाफ ये फॉलो करने लग जाते हैं जब तक कि उन्हें पैसे न मिल जाएं। आगे उन्होंने लिखा, दुर्भाग्य से, अगर किसी को लगता है कि इससे कोई नुकसान नहीं होगा और चलो इसे करते हैं क्योंकि सामान्य बात है तो यह गलत है। यह ट्रेंड का राक्षस अंततः सभी को डसेगा। उन्होंने यह भी लिखा कि अपने प्रोजेक्ट के लिए हाइप बनाने के लिए पैसे देने के इस चलन को अपनाने के बावजूद, पिछले पांच सालों में कई फिल्में असफल रही हैं। यामी ने डायरेक्टर्स, प्रोड्यूसर और एक्टर्स से इसे तोड़ने की बात की। वहीं उनकी फिल्म काबिल के को-एक्टर ने भी उनका सपोर्ट किया।

बियर की बोतल के ढक्कन पर सिर्फ 21 धारियां ही क्यों होती हैं? पीने वालों को भी नहीं पता!

दुनियाभर में करोड़ों लोग बियर पीते हैं। लेकिन कभी आपने गौर किया है कि बियर के बोतल के ढक्कन पर सिर्फ 21 धारियां ही क्यों होती है? यकीन मानिए, इस बारे में पीने वालों को भी नहीं पता होगा। दरअसल, हर बियर बोतल के ढक्कन पर ठीक 21 धारियां होने के पीछे विलियम पेंटर की 1892 में की गई खोज, इंजीनियरिंग के रहस्य और 130 साल का इतिहास छुपा है। हम में से बहुत से लोगों को बियर पीने की आदत होती है। ओपनर से बियर बोतल का ढक्कन खोलकर या पट्टी से ढक्कन हटाकर पीते हैं। किसी भी ब्रांड की बियर बोतल के ढक्कन पर बिल्कुल 21 धारियां होने से आपको आश्चर्य होगा। यह केवल संयोग नहीं है, इसके पीछे एक विशेष इतिहास और तकनीक छुपी है। यह 21 धारियों वाला डिजाइन लगभग 130 साल पुराना है। 1892 में यह क्राउन कैप की खोज हुई थी। इस दिलचस्प बात को एक डिजिटल क्रिएटर ने इंस्टाग्राम के माध्यम से शेयर किया। इस ढक्कन को खोजा था विलियम पेंटर नामक आविष्कारक ने। ये बाल्टीमोर की क्राउन कॉर्क सील कंपनी के संस्थापक भी थे। 21 धारियों के पीछे इंजीनियरिंग का रहस्य। विलियम पेंटर ने बियर की गंध न जाने देने और ताजा बुलबुले (कार्बोनेशन) बरकरार रखने के लिए ढक्कन के डिजाइन के लिए कई धारियों की संख्या के साथ प्रयोग किए। ढक्कन पर कम धारियां होने पर उसकी सील लीक होकर कार्बन डाइऑक्साइड निकल जाती थी। इसी तरह ज्यादा धारियां डालने पर ढक्कन भंगुर होकर टूट जाता था। कई प्रयासों के बाद 21 धारियों की संख्या पर ही सही संतुलन संभव हो पाया, यह उन्होंने महसूस किया। 21 धारियां होने पर ढक्कन अंदर के कार्बोनेशन के दबाव को सहने के लिए पर्याप्त मजबूत होता है। साथ ही बोतल ओपनर से आसानी से खोले जाने के लिए सरल भी रहता है। यह 21 की संख्या यांत्रिक सिद्धांतों के अनुसार बोतल के ढक्कन पर स्थिर पकड़ बनाने में मदद करती है। शुरुआत में कुछ ढक्कन 24 धारियों के साथ बनाए गए थे, लेकिन स्वचालित भरने की मशीनों में वे फंसकर प्रोडक्शन में रुकावट पैदा करते थे। इसके साथ ही 21 धारियों वाला डिजाइन अंतरराष्ट्रीय मानक बन गया।

अजब-गजब | महिला की इस अजीबोगरीब कहानी ने दुनियाभर में दिलाई सुर्खियां

5 साल की बच्ची बनी थी दुनिया की सबसे कम उम्र की मां

एक ऐसी घटना जिसने 85 साल पहले पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया था, आज भी एक अनसुलझा रहस्य बनी हुई है। जब यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत होने वाली थी, तब दुनिया के दूसरे कोने में एंडीज पर्वत श्रृंखला के एक छोटे से पेरूवियन गांव में एक अविश्वसनीय और भयानक कहानी सामने आई थी। लीना मार्सेला मेदिना नाम की पांच साल की बच्ची ने एक बच्चे को जन्म देकर दुनिया की सबसे कम उम्र की मां बनने का रिकॉर्ड बनाया था। वैज्ञानिकों और डॉक्टरों ने वर्षों तक सिर खुजाया है कि कैसे एक इतनी छोटी बच्ची पूर्ण रूप से विकसित होकर प्रजनन करने में सक्षम हो गई। इससे भी बड़ा और गहरा सवाल यह है कि लीना को गर्भवती करने वाला व्यक्ति कौन था, जिसका रहस्य आज भी अनसुलझा है। इस मामले में आज तक किसी को भी औपचारिक रूप से दोषी नहीं ठहराया गया है। बता दें कि लीना का परिवार अत्यधिक गरीबी और अभाव में जीवनयापन करता था। कुछ महीनों बाद जब लीना का पेट धीरे-धीरे फूलने लगा, तो उसके पड़ोसियों ने उसे वर्जिन मैरी या सूर्य देवता के बच्चे की वाहक समझना शुरू कर दिया। परिवार ने इस समस्या को पेट में शैतान मानकर ओझा और तांत्रिकों से संपर्क किया। ओझाओं ने इस समस्या को दूर करने के लिए कई स्थानीय उपचार किए, लेकिन

कोई भी तरीका काम नहीं आया। अंततः उसके पिता उसे स्थानीय अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने शुरुआत में इसे ट्यूमर समझा, लेकिन बाद में यह देखकर दंग रह गए कि लीना सात महीने की गर्भवती थी। आखिर ये कैसे हुआ? डॉक्टरों को भी कुछ समझ नहीं आया। इस तरह से 14 मई 1939 को केवल 5 साल की उम्र में लीना ने अपने बच्चे को जन्म दिया। लीना ने अपने बच्चे को सी-सेक्शन के माध्यम से जन्म दिया, जिसका वजन जन्म के समय लगभग 6 पाउंड (लगभग 2.7 किलोग्राम) था और कोई जटिलता नहीं आई। बच्चे का नाम गेरार्डो रखा गया, जो उस डॉक्टर के सम्मान में था जिसने उसे जन्म देने में मदद की थी। चिकित्सा रिकॉर्ड और जांचों से पता चला कि लीना को असामान्य रूप से जल्दी यौवन प्राप्त हो गया था और गर्भवती होने तक उसके यौन अंग पूरी तरह से विकसित हो चुके थे। इसी कारण वह इतनी कम उम्र में गर्भधारण करने में सक्षम हो पाई, जिसका प्रमाण चिकित्सा रिकॉर्ड में आज भी मौजूद है। लीना की इस अजीबोगरीब कहानी ने उसे दुनियाभर में सुर्खियां दिलाई, लेकिन इस घटना के बाद वह प्रेस से बात करने या इस स्थिति के बारे में चर्चा करने के लिए हमेशा अनिच्छुक रही।

जन्म देने के बाद गेरार्डो का पालन घर में किया गया, लेकिन उसे यही बताया गया कि लीना उसकी बड़ी बहन है। जब वह 10 साल का हुआ, तब उसे सच बताया गया कि लीना ही उसकी मां है। हालांकि, 1979 में 40 वर्ष की आयु में अस्थि मज्जा रोग से गेरार्डो का निधन हो गया। लेकिन लीना की कहानी का सबसे विचलित करने वाला और अनसुलझा पहलू यही है कि उसे बलात्कार करके गर्भवती करने वाला व्यक्ति कौन था? लीना के पिता को शुरुआत में संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया था, लेकिन जांच में यौन शोषण के कोई गवाह या सबूत सामने नहीं आने पर उन्हें रिहा कर दिया गया। बाद में उसके चाचा और भाई भी जांच के घेरे में आए, जिसमें से एक मानसिक बीमारी का शिकार भाई भी शामिल था। हालांकि, तमाम लोगों पर लगे आरोप बाद में सिद्ध नहीं हो पाए। ऐसे में यह रहस्य आज भी अनसुलझा है कि लीना आखिर प्रेग्नेंट कैसे हुई?

बीजेपी एसआईआर की आड़ में राष्ट्रपति शासन लगवाना चाहती थी

» ममता बोलीं- बंगाल में डिटेंशन कैंप खोलने नहीं दूंगी

» रोहिंग्या बंगाल में नहीं बल्कि भाजपा शासित राज्यों में हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी एसआईआर की आड़ में राज्य में राष्ट्रपति शासन लगवाना चाहती थी। टीएमसी प्रमुख ने सनसनीखेज दावा करते हुए कहा कि यदि उनकी सरकार ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया रोकने का प्रयास किया होता तो केंद्र सरकार यहां विधानसभा चुनाव होने देने के बजाय सीधे राष्ट्रपति शासन लागू करवा देती। उनकी सरकार गृह मंत्री अमित शाह की चालाकी में नहीं फंसी।

मुर्शिदाबाद में एसआइआर विरोधी रैली को संबोधित करते हुए ममता ने कहा-भाजपा एसआइआर के बहाने बंगाल में डिटेंशन कैंप खोलना चाहती है। मैं ऐसा होने नहीं दूंगी। बंगाल में किसी भी सूरत में राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को भी लागू होने नहीं दिया जाएगा। ममता बनर्जी ने सूचित किया कि उन्होंने एसआइआर के तहत दिया गया गणना प्रपत्र अब तक नहीं भरा है। कहा कि जब तक सभी राज्यवासियों का गणना प्रपत्र नहीं भरा जाता, तब तक वे भी इसे नहीं भरेंगी। उधर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के सामने तृणमूल समर्थित बीएलओ अधिकार रक्षा समिति के सदस्यों ने को बैरिकेड्स को तोड़कर सीईओ दफ्तर में घुसने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस के साथ उनकी धक्का-मुक्की हुई। प्रश्न किया कि एसआइआर उन सीमावर्ती राज्यों में क्यों नहीं हो रहा, जहां भाजपा सत्ता में है? दरअसल भाजपा इसकी आड़ में अल्पसंख्यकों, मतुआओं व राजवंशियों को भगाना चाहती है। रोहिंग्या बंगाल में नहीं, बल्कि भाजपा शासित राज्यों में हैं।

केंद्रीय कर्मचारियों को सूक्ष्म पर्यवेक्षक बनाया जाए

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से आग्रह किया कि एसआइआर प्रक्रिया को कड़ी निगरानी में पूरा कराने के लिए केंद्र सरकार के कर्मचारियों को सूक्ष्म पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया जाए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि अंतिम मतदाता सूची निष्पक्ष, सटीक और किसी भी तरह की हेराफेरी से मुक्त हो। बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने निर्वाचन आयोग को भेजे एक पत्र में यह मांग भी की कि राज्य में एसआइआर अभ्यास के दौरान जांच और सुनवाई चरण की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जाए और फुटेज को प्रक्रिया पूरी होने तक सुरक्षित रखा जाए।

50 लाख लोगों के नाम कटने का हिसाब मिला

चुनाव आयोग का कहना है कि अब तक मतदाता सूची से 50 लाख लोगों के नाम कटने का हिसाब मिला है। यह गणना बीएलओ से मिली जानकारी के आधार पर की गई है।

अब तक पहलगाम, चांदनी चौक आतंकी हमलों की जवाबदेही तय नहीं की गई

» भाजपा सरकार पर बरसे कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम ने बृहस्पतिवार को केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि पहलगाम और चांदनी चौक आतंकी हमलों के लिए कोई जवाबदेही तय नहीं की गई है। इन आतंकवादी हमलों में कई लोगों की जान चली गई थी।

चिदंबरम ने 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे तथा 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट में 15 लोगों की मौत का जिक्र किया। स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025 पर लोकसभा में चर्चा के दौरान चिदंबरम ने प्रस्तावित कानून को ''संघ विरोधी और व्यापार विरोधी'' बताया। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह नहीं बताया है कि धनराशि कहां खर्च की जाएगी तथा उपकर लगाने से कितना राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, यह सरकार अब स्वास्थ्य सुरक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उपकर लगा रही है। शायद पहलगाम और चांदनी चौक की विफलताओं ने उन्हें ऐसा करने के लिए प्रेरित किया है, जिसके कारण उन्हें लगा होगा कि इस प्रकार के आतंकवादी हमलों को रोकने के लिए उनके पास अधिक संसाधन होने चाहिए।

सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगा भारत

» कल के निर्णायक मुकाबले के लिए भारत-अफ्रीका की टीमें पहुंचीं विशाखापत्तनम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

विशाखापत्तनम। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच जारी तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला शनिवार को विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। यह इस सीरीज का निर्णायक मुकाबला होगा, क्योंकि दोनों टीमें फिलहाल एक-एक मैच जीतकर 1-1 की बराबरी पर हैं। इस मैच के लिए भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें गुरुवार को विशाखापत्तनम पहुंच गई। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे वनडे में भारत को चार विकेट से हराया था।

इस जीत के साथ मेहमानों ने भारत से तीन वनडे मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी कर ली। इससे पहले, भारत ने दक्षिण अफ्रीका को पहले वनडे में 17 रन से हराया था। भारतीय टीम कल के इस मुकाबले को जीत कर सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी। लेकिन इसके लिए टीम इंडिया को इस मैच को जीतने के लिए बैटिंग और बॉलिंग से लेकर फील्डिंग तक में पूरा जोर लगाना होगा। यह मुकाबला डॉ. वाईएस राजशेखर रेड्डी एसीए-वीडीसीए इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस ग्राउंड पर बल्लेबाज चौके और छक्कों की बारिश कर देते हैं। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और साउथ अफ्रीका मैच में भी हाई स्कोरिंग मैच देखने को मिलेगा।

सैमसन की तूफानी पारी: केरल ने मुंबई को 15 रन से हराया

लखनऊ। तेज गेंदबाज केएम आसिफ के पांच विकेट और संजू सैमसन की तूफानी पारी की बदौलत केरल ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी ग्रुप ए मुकाबले में गत चैंपियन मुंबई को 15 रन से हराकर उलटफेर किया। मुंबई को इस टी20 टूर्नामेंट में अपने पांच मैचों में पहली हार मिली लेकिन फिर भी टीम 16 अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। वहीं केरल अपनी तीसरी जीत के साथ 12 अंक से पांच टीमों के इस पूल में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि आंध्र भी 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। केरल नेट रन रेट में आंध्र से थोड़ा पीछे है। स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई टीम 179 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑल आउट हो गई। भारतीय तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की अगुआई वाली मुंबई की टीम में भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी शामिल थे। केरल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 178 रन बनाए। संजू सैमसन ने 28 गेंद में 46 रन बनाए।

मैं मस्जिद की नींव रखूंगा, कोई रोक नहीं सकता : हुमायूं कबीर

» टीएमसी से निकाले जाने के बाद सीएम ममता पर भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी ने दोबरा विधायक हुमायूं कबीर को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में बाबरी मस्जिद की तर्ज पर एक मस्जिद बनाने के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने के बाद निलंबित कर दिया। पार्टी ने उन पर सांप्रदायिक तनाव भड़काने का प्रयास करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्हें भाजपा द्वारा प्रोत्साहित किया जा रहा है। हालांकि, अब भी हुमायूं एक मस्जिद बनाने को लेकर अड़े हुए है।

हुमायूं ने कहा कि जब मैंने कहा था कि नींव रखेंगे, तो नींव रखेंगे। सब कुछ बाद में बताया जाएगा। आज सीएम लोगों से पैसे

लेकर जगन्नाथ मंदिर बनवाती हैं, वे दुर्गा पूजा के लिए पैसे देते हैं। मुस्लिम मौलवियों को 3000 रुपये भत्ता दिया जाता है, सभी भत्तों को मिलाकर 54,000 रुपये दिए जा रहे हैं। जबकि समितियों को हर साल 1,10,000 रुपये दिए जाते हैं। वह आरएसएस का काम कर रही हैं। छह दिसंबर 1992 को अयोध्या में बाबरी मस्जिद ढहा दी गई थी। तृणमूल के वरिष्ठ नेता फिरहाद हाकिम ने निलंबन की घोषणा करते हुए कहा कि कबीर का व्यवहार ऐसे समय में घोर अनुशासनहीनता है, जब पार्टी राज्य में शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए काम कर रही है।

25 बीघा जमीन पर बनेगा एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, हेलीपैड, और पार्क

25 बीघा ज़मीन पर एक इस्लामिक अस्पताल, रेस्ट हाउस, होटल-कम-रेस्टोरेंट, हेलीपैड, पार्क और मेडिकल कॉलेज बनेगा। थोड़ा इंतज़ार करो। चिंता मत करो। आने वाले दिनों में हम ये काम पूरा कर देंगे। उन्होंने तेवर दिखाते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद में और कौन वादे करेगा? हुमायूं कबीर को कौन रोक सकता है... मैं उन्हें चुनौती दे रहा हूं। ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए हुमायूं कबीर ने कहा कि जब वह पहली बार सत्ता में आईं, तो उन्हें 182 सीटें मिलीं। मुझे उनकी ज़रूरत थी। मुझे पार्टी में शामिल किया गया...मेरे साथ 12-13 सालों तक ऐसा क्यों किया गया? मुझे पार्टी में क्यों शामिल किया गया?.

वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव को दूर करें पुतिन व मोदी : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा से पहले मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि वह रूस के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों का उपयोग करते हुए यूक्रेन में चल रहे युद्ध को समाप्त कराने के लिए सक्रिय पहल करें।

अब्दुल्ला ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्ध के कारण दुनिया जिस अनिश्चित दौर से गुजर रही है, उसमें भारत एक संतुलित और प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है। उमर ने कहा, यह सही है कि रूस भारत का भरोसेमंद मित्र रहा है और दशकों से रणनीतिक रिश्ते बेहद मजबूत रहे हैं। लेकिन यदि इस मित्रता का फायदा यूक्रेन में शांति की दिशा में भी मिल सके, तो दुनिया भारत की भूमिका को और अधिक सम्मान देगी।

विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा सम्मानित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन (एलएसजेए) द्वारा आयोजित विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शहर के पत्रकारों, खेल प्रेमियों और क्रिकेट जगत से जुड़े कई प्रतिष्ठित लोग शामिल हुए। समारोह के दौरान राजकुमार शर्मा को भारतीय क्रिकेट में उनके असाधारण योगदान और विराट कोहली जैसे विश्वस्तरीय खिलाड़ी को तैयार करने के लिए सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में वक्ताओं ने बताया कि राजकुमार शर्मा न सिर्फ विराट कोहली के पहले कोच रहे बल्कि उन्होंने बचपन में ही कोहली की प्रतिभा को पहचानकर उसे सही दिशा देने का काम किया।

उनकी कोचिंग, अनुशासन और मार्गदर्शन ने विराट को एक मजबूत नींव दी, जिसकी बदौलत वह विश्व क्रिकेट के सबसे सफल बल्लेबाजों में शुमार हो सके। इस दौरान एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि राजकुमार शर्मा जैसे कोच भारतीय क्रिकेट की असली धरोहर हैं, जो भविष्य के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं।

हवाई अड्डों पर कोहराम, हजारों यात्री परेशान

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर किया हल्ला बोल, नेता प्रतिपक्ष बोले - सरकार के एकाधिकार मॉडल ने मचाई तबाही, तत्काल टिकट का रेट छूने लगा आसमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूरे देश मे हवाई अड्डों पर अफरातफरी मची हुई सरकार की गलनीतियों का खामियाजा यात्री भुगत रहे हैं। बंबई, दिल्ली से लेकर लखनऊ तक के हवाईअड्डों पर सैकड़ों यात्री फंसे हुए है। इनमे बीमार,बुजुर्ग व बच्चें भारी संख्या में परेशान हो रहें हैं। इन सबके बीच सियासत भी प्रारंभ हो गई है। कांग्रेस ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो में परिचालन संबंधी व्यवधान को लेकर शुक्र वार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। इंडिगो की 550 से अधिक घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया गया है जबकि कई उड़ानें देर से रवाना होने से हजारों यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। वहीं नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने स्थिति की समीक्षा की है और एयरपोर्ट्स को फंसे हुए यात्रियों को हर संभव मदद देने का निर्देश दिया है।

मोदी सरकार की नीतियां का परिणाम है यह पेरशानीः राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इंडिगो में बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द होने और देरी को सरकार की नीतियां का परिणाम करार दिया है, जिसका खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। इंडिगो की यह समस्या चालक दल की किल्लत और नए एफडीटीएल नियमों के कारण उत्पन्न हुई है, जिसे सरकार की एकाधिकार को बढ़ावा देने वाली नीतियों का असर माना जा रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, इंडिगो की विफलता इस सरकार के 'एकाधिकार मॉडल' का नतीजा है। एक बार फिर इसकी कीमत आम भारतीयों को देरी, उड़ानें रद्द होने और लाचारी के रूप में चुकानी पड़ी है। उन्होंने दावा किया कि भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, मैच फिक्सिंग के एकाधिकार का नहीं है। इंडिगो हाल के दिनों में चालक दल की भारी किल्लत का सामना कर रही है।

एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद आई दिक्कत

दरअसल उड़ान ड्यूटी की सीमा तय करने वाले नए एफडीटीएल नियम लागू होने के बाद से ही एयरलाइन चालक दल की संख्या में कमी का सामना कर रही है। नए नियमों के तहत पायलट के लिए साप्ताहिक विश्राम का समय बढ़ाया गया है और रात में विमानों के उतरने की संख्या सीमित की गई है ताकि उड़ान सुरक्षा को मजबूत किया जा सके।

और भी रुकावटें आने की संभावना है

इंडिगो ने बताया है कि अगले 2-3 दिनों में कई और उड़ानें रद्द की जाएंगी क्योंकि एयरलाइन अपने शेड्यूल को स्थिर करने की कोशिश कर रही है। इस खुलासे के बाद, डीजीसीए ने एयरलाइन के प्रति सख्त रुख अपनाया है। इंडिगो ने कहा कि वह रेज़ाना होने वाली ऑपरेशनल दिक्कतों को कुछ हद तक मैनेज करने में मदद करने के लिए 8 दिसंबर से उड़ानों की संख्या कम कर देगी।

डीजीसीए रख रही है नजर

नागरिक उड्डयन मंत्रालय और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) पिछले कुछ दिनों से इंडिगो की उड़ान बाधाओं से संबंधित स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इंडिगो ने बृहस्पतिवार को विमानन नियामक डीजीसीए को बताया कि उड़ान संचालन 10 फरवरी, 2026 तक पूरी तरह से स्थिर होने की उम्मीद है। समस्या को ठीक करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे एविएशन रेगुलेटरी बॉडी को एयरलाइन ने भरोसा दिलाया है कि इस समस्या को ठीक करने के लिए सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। सेफ्टी मार्जिन बनाए रखते हुए यात्रियों की परेशानी कम करने के लिए, इंडिगो ने 10 फरवरी 2026 तक 320 ऑपरेशंस के लिए कुछ एफडीटीएल प्रोविजंस से ऑपरेशनल बदलाव/छूट का अनुरोध किया है। इंडिगो ने डीजीसीए को भरोसा दिलाया है कि सुधार के लिए कदम उठाए जा रहे हैं और 10 फरवरी 2026 तक नॉर्मल और स्टेबल ऑपरेशन पूरी तरह से बहाल हो जाएंगे।

इंडिगो ने शुक्रवार को 400 से अधिक उड़ानें रद्द कीं

इसी बीच इंडिगो ने शु क्र वार को 400 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं और विभिन्न हवाई अड्डों पर बड़ी संख्या में उड़ानों में विलंब हुआ। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उड़ानों में लंबे समय तक देरी के कारण हवाई अड्डों पर सैकड़ों यात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दिल्ली हवाई अड्डे पर प्रस्थान और आगमन सहित 220 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि बेंगलुरु हवाई अड्डे पर 100 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। सूत्रों ने बताया कि हैदराबाद हवाई अड्डे पर 90 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। अन्य हवाई अड्डों पर भी उड़ानें रद्द की गईं और कई उड़ानों में विलंब हुआ। महाराष्ट्र के एयरपोर्ट पर भी इंडिगो को ऑपरेशनल चुनौतियों का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को रात 12 बजे से सुबह 8 बजे के बीच, 16 आने वाली और 16 जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिनमें से ज्यादातर पुणे और मुंबई की थीं। अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर भी इंडिगो के ऑपरेशन प्रभावित हुए हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बंद कर देना चाहिए : प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इंडिगो की रिकॉर्ड उड़ान रद्दीकरण को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है, नागरिक उड्डयन मंत्रालय की प्रासंगिकता पर सवाल उठाते हुए कहा कि यात्रियों की समस्याओं का समाधान न होने पर मंत्रालय को बंद कर देना चाहिए। वे इस बात पर ज़ोर देती हैं कि डीजीसीए एयरलाइंस को नियंत्रित करने के बजाय उनकी सेवा कर रहा है, जबकि 500 से अधिक उड़ानें रद्द होने से यात्री फंसे हुए हैं और उन्हें संचार और अन्य सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने शुक्रवार को इंडिगो द्वारा कई हवाई अड्डों से रिकॉर्ड उड़ानें रद्द करने के बाद सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि अगर नागरिक उड्डयन मंत्रालय यात्रियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है तो उसे चलाने का कोई मतलब नहीं है। चतुर्वेदी ने दावा किया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने यात्रियों को दरकिनार कर दिया है और एयरलाइन को नियंत्रित करने के बजाय उसकी सेवा कर रहा है। प्रियंका चतुर्वेदी ने ने कहा कि मैंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। मुझे उम्मीद थी कि नागरिक उड्डयन मंत्री कल ही संसद में जानकारी देंगे, लेकिन दुर्भाग्य से कल ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने देर रात बैठक की और कुछ निर्देश जारी किए, लेकिन अगर इतनी सारी उड़ानें अभी भी रद्द हो रही हैं तो निर्देशों का क्या मतलब है? अगर आप बढ़ते हवाई किराए और यात्रियों की शिकायतों के लिए ज़िम्मेदार नहीं हैं, तो नागरिक उड्डयन मंत्रालय को बंद कर दीजिए।

दिल्ली में प्रदूषण पर रार बीजद का बीजेपी पर वार

» सांसद सुलता देव ने सरकार पर किया तीखा तंज

» 400 पार का नारा सफल एक्यूआई 400 पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीजू जनता दल (बीजद) की राज्यसभा सांसद सुलता देव ने देश भर में, खासकर दिल्ली-एनसीआर में, बिगड़ती वायु गुणवत्ता को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि उनका 400 पार का नारा अब पूरा हो गया है, क्योंकि हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 को पार कर गया है। बीजद नेता ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण का स्तर बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और आम जनता पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है।

राज्यसभा सत्र के दौरान बोलते हुए, देव ने कहा कि बिगड़ते वायु प्रदूषण ने लोगों को सांस लेने में तकलीफ की ओर धकेल दिया है, और अस्थमा जैसी फेफड़ों की बीमारियाँ आम होती जा रही हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जहाँ देश भर में प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है, वहीं दिल्ली-एनसीआर में स्थिति संकट के बिंदु पर पहुँच गई है। उन्होंने हाल के दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ते वायु गुणवत्ता सूचकांक -एक्यूआई का हवाला देते हुए कहा कि वायु प्रदूषण के कारण कई बच्चे, वरिष्ठ नागरिक और आम लोग अस्थमा जैसी फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित होते हैं। अगर आप देखें, तो वायु प्रदूषण हर दिन बढ़ रहा है और दिल्ली-एनसीआर में स्थिति और भी बदतर होती जा रही है। 400 पार का नारा सफल होया है दिल्ली में 400 तक पहुँच गया है और दिल्ली में वायु प्रदूषण भी 400 तक पहुँच गया है। देव ने यह भी बताया कि ओडिशा के हज़ारों लोगों सहित पूरे भारत में करोड़ों लोग लंबे समय तक ज़हरीली हवा के संपर्क में रहने से प्रभावित हैं। उन्होंने उस विकास मॉडल पर सवाल उठाया जिसमें पेड़ों को काटना अ ैर पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना शामिल है। उन्होंने पूछा कि औद्योगीकरण के लिए पेड़ों को काटने की कोई ज़रूरत नहीं है। क्या हम ऐसा विकास चाहते हैं? बीजद सांसद ने अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन से इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करने का आग्रह करते हुए कहा, मैं अध्यक्ष महोदय से आग्रह करती हूँ कि पराली जलाना बंद किया जाना चाहिए। हमें यह सोचने की ज़रूरत है कि औद्योगिक प्रदूषण का प्रबंधन कैसे किया जाए और हम स्वच्छ हवा कैसे प्राप्त कर सकते हैं।

तेजस्वी यादव की यूरोप यात्रा पर मच घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। विधानसभा के शीतकालीन सत्र का आज (शुक्रवार) 5वां और अंतिम दिन है। पहले दिन तेजस्वी यादव विधानसभा अध्यक्ष के चुनाव पर शामिल हुए, लेकिन इसके बाद वे अन्य सत्र पर मौजूद नहीं रहे। चर्चा हो रही है कि तेजस्वी यादव यूरोप गए हैं। इस पर एनडीए के नेता लगातार उनकी गैरहाजिरी पर सवाल उठा रहे हैं।

अब शुक्रवार को जेडीयू एमएससी और प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। नीरज कुमार ने कहा कि विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गायब हैं। विपक्ष टुअर हो गया है, जानकारी मिल रही है कि वह परिवार के साथ यूरोप गए हैं, जबकि उनके पिता बीमार हैं, नीरज कुमार ने कहा कि ऐसी चर्चा है कि हिस्ट्रीशीटर रमीज भी उनके साथ गया है।

रेपो रेट घटा, लोन सस्ते होंगे आरबीआई ने किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की अपनी पांचवीं मौद्रिक नीति बैठक (एमपीसी) के नतीजों का एलान कर दिया है। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्र वार को न केवल रेपो रेट में कटौती कर कर्जदारों को राहत देने की खबर दी, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर एक बेहद शानदार तस्वीर भी पेश की है।

केंद्रीय बैंक के मुखिया मल्होत्रा मौजूदा स्थिति को गोल्डीलॉक्स काल बताया है। अर्थशास्त्र की भाषा में यह वह स्थिति होती है जब इकोनॉमी में न तो बहुत ज्यादा तेजी होती है और न ही बहुत अधिक मंदी, बल्कि सब कुछ बिल्कुल सही संतुलन में होता है। गवर्नर को उम्मीद है कि रेपो रेट में किए गए बदलाव का असर लंबी अवधि की ब्याज दरों पर भी पड़ेगा। आसान शब्दों में कहें तो, आरबीआई द्वारा सस्ता किए गए कर्ज का फायदा बैंक अब होम लोन या बिजनेस लोन की ब्याज दरें घटाकर ग्राहकों को दे सकते हैं।

धनबाद में गैस रिसाव से दो की मौत

» छह हजार लोग खतरे में दहशत से परिवारों का पलायन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

धनबाद/रांची। धनबाद जिले के केंदुआडीह खनन एरिया में जहरीली गैस का खतरनाक संकट गहराता जा रहा है। इलाके के तीन स्थानों जीएम बंगाल के पास, नया डेरा नंबर-1 गेट और केंदुआ नंबर-5 से लगातार गैस का रिसाव हो रहा है, जिससे छह हजार से अधिक लोग प्रभावित हैं। रात के समय रिसाव बढ़ने से दहशत फैल गई है।

अब तक दो महिलाओं की मौत हो चुकी है, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग सिरदर्द, घबराहट और बेचैनी की शिकायत के बाद अस्पतालों में भर्ती हैं। हालात बिगड़ने पर कई

परिवार सुरक्षित जगहों की ओर पलायन कर रहे हैं। बीसीसीएल के सीओ विकास आनंद ने बताया कि गैस रोकने के लिए तकनीकी प्रयास जारी हैं और प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि रिसाव की तीव्रता पहले की तुलना में कम हुई है।

धनबाद के डीसी आदित्य रंजन ने कहा कि वैज्ञानिक टीम गैस की प्रकृति जांच रही है। रिसाव वाले क्षेत्रों में मिट्टी भराई का काम चल रहा है और माइकिंग के जरिए लोगों को घर खाली करने की अपील की जा रही है। फिलहाल प्रभावित परिवारों को ओल्ड बंगला परिसर में रखा गया है और तीन एंबुलेंस स्टैंडबाय में तैनात हैं। डीसी ने पुष्टि की कि कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड का रिसाव हो रहा है।

इधर, ग्रामीणों ने बीसीसीएल पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जमीन के नीचे वर्षों से धधकती आग के बावजूद समय रहते कदम नहीं उठाए गए। ग्रामीणों ने स्थायी पुनर्वास और रोजगार की मांग की है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।